100 Years of Department of Economics
1914-2014

Lecture List

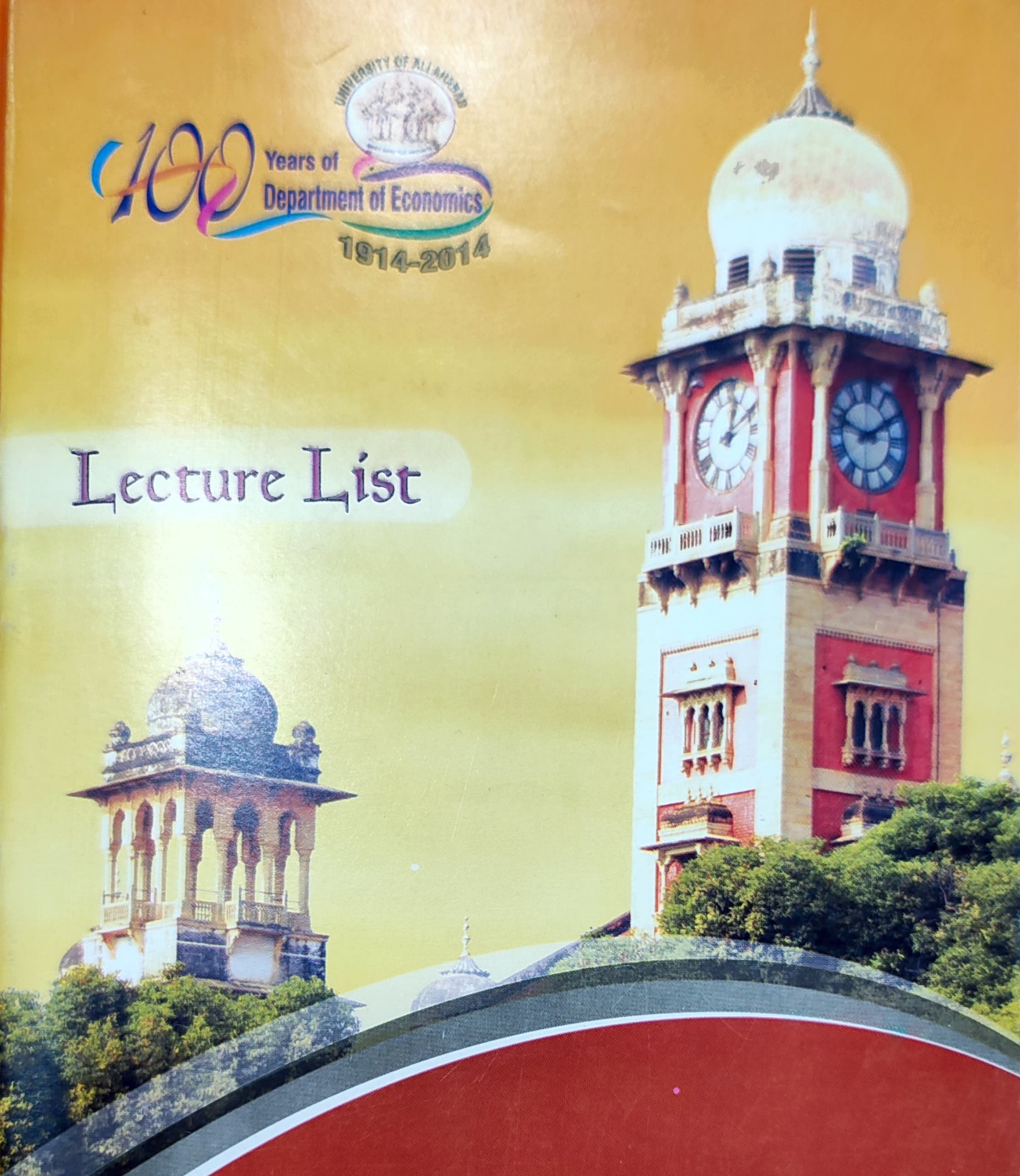

Department of Economics
University of Allahabad

B.A.-I

2024-25

DEPARTMENT OF ECONOMICS

UNIVERSITY OF ALLAHABAD

2024-25

Lecture List

(व्याख्यान सूची)

B.A. -I

अर्थशास्त्र विभाग

इलाहाबाद विश्वविद्यालय

Heritage Building of the Department of Economics

The building of the Department of Economics carries a legacy of rich heritage. Since 1904 to 1922 it housed the famous Indian Press established by Chintamoni Ghosh known as Caxton of Hindi world. The Indian Press published rich prose and poems in Bangla, Hindi, English and Urdu language.

Between 1909 and 1914, Indian Press published 87 books by GurudevRabindrantath Tagore. In 1912 Tagore's immortal work 'Gitanjali' was printed in this Department which fetched him the grand Nobel Prize in Literature in 1913 and blazed him into world-wide glory.

In 1914 he visited the Indian Press for the second time. Rabindranath punctually reached the portals of the Indian Press at mid-day, and the poet, smiling as he was then, got down only to see the smiling Chintamoni Babu, waiting to receive him personally. What a majestic scene of cordial embrace the one did the other! The press-employees, who had been especially permitted that day to stand and wait outside to have a glimpse of the Poet, were all speechless at this spectacle. The poet said first, 'Chintamoni Babu! I have no words to thank you. Im am simply overwhelmed...." At once quipped Chinatamoni Babu, "I have a request! Let us have the privilege to hear in camera your song in your voice."

To this the poet readily acceded and all went to the drawing-room of Chintamoni Babu where a piano was kept. The poet rendered the music on the instrument and tuned the first song of his Gitanjali in his melodious voice :

"Aamarmathanatokoreydaao hey
tomarcharandhulartaley..."

प्रिय छात्रगण,

मुझे हर्ष है कि स्नातक पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आपने अर्थशास्त्र विषय को चुना है। यह कहना उपयुक्त होगा कि अर्थशास्त्र के सिद्धान्त व विश्लेषण के उपकरण अब अधिकाधिक रूप से अनेक सामाजिक-आर्थिक समस्याओं यथा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण आदि अध्ययन-क्षेत्रों में प्रयोग किये जा रहे हैं। इनमें से कुछ की झलक आपको बी0 ए0 पाठ्यक्रम में मिलेगी।

हम सबके लिये गौरव का विषय है कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय का अर्थशास्त्र विभाग देश के सबसे पुरातन अर्थशास्त्र विभागों में से एक है जिसके आप एक अंग हैं। इसकी स्थापना 1914 में प्रो. एच. एस. जेवन्स ने वर्ष 1916 में इण्डियन जर्नल ऑफ इकॉनॉमिक्स की स्थापना की जो भारत का उच्च शैक्षणिक स्तर पर प्रथम जर्नल था तथा अब भी विभाग से प्रकाशित हो रहा है। जेवन्स ने ही कतिपय अन्य भारतीय अर्थशास्त्रियों के साथ मिलकर इण्डियन इकॉनॉमिक एसोसिएशन की स्थापना वर्ष 1917-18 में की। इस विभाग के बीसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध के अन्य शीर्षस्थ अर्थशास्त्री थे प्रो0 ए.आर. बर्नेट-हर्स्ट, प्रो. सी. डी. थॉमसन, प्रो0 एस0 के0 रूद्रा, प्रो0 बी0 पी0 अडारकर तथा प्रो0 जे0 के0 मेहता। उत्तरार्द्ध के प्रमुख अर्थशास्त्रियों में सर्वश्री प्रो0 पी0 सी0 जैन, महेश चन्द्र, आर0 एन0 भार्गव, आर0 बी0 बहादुर, आई0 जेड भट्टी, पी0 डी0 हजेला, एल0 एल0 परमार आदि के नाम उल्लेखनीय हैं। अन्य प्रख्यात अर्थशास्त्री जो विभाग से सम्बद्ध रहे उनके नाम हैं प्रो0 एल0एल0 परमार, प्रो0 गौतम माथुर, प्रो0 डी0 एस0 कुशवाहा, प्रो0 वी0 के0 आनन्द, प्रो0 आर0 एन0 लोहकर, प्रो0 पी0 एन0 मेहरोत्रा, प्रो0 अलका अग्रवाल, प्रो0 एस0 एन0 लाल इत्यादि।

विभाग में कार्यरत रहते हुए प्रो0 एच0 एस0 जेवन्स, सी0 डी0 टॉम्सन, सुधीर कुमार रुद्रा और जे0 के0 मेहता इण्डियन एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। एसोसिएशन के अन्य अध्यक्षों में जो विभाग से भी संबंधित रहे, निम्नलिखित प्रमुख हैं - सर्वश्री एम0 बी0 माथुर, गौतम माथुर, पी0 डी0 अजेला, बारिद बी0 भट्टाचार्य प्रमुख हैं। विभाग में विद्यार्थी और अध्यापक रहे डॉ0 डी0 के0 श्रीवास्तव वित्त आयोग के सदस्य, मद्रास स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स के निदेशक तथा अर्न्स्ट एण्ड यंग के मुख्य आर्थिक सलाहकार रह चुके हैं।

विभाग में 34 शिक्षक पद हैं तथा आचार्य का एक पद योजना आयोग द्वारा भी सृजित किया गया है। विगत वर्षों में विभाग के अनेक सदस्य संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, युनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड्स, बोट्स्वाना, रूस, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, नाइजीरिया, साउथ अफ्रीका, जापान, सिंगापुर, मलेशिया आदि देशों की यात्रा फेलोशिप प्रोग्राम तथा अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठियों में भाग लेने हेतु कर चुके हैं।

विभाग में पठन-पाठन का स्तर देश के चर्चित विश्वविद्यालयों के समकक्ष है तथा विषय के पाठ्यक्रम इस प्रकार से संगठित किये गये हैं कि अर्थशास्त्र विषय की प्रमुख धाराओं का ज्ञान छात्रों को सुव्यवस्थित रूप से उपलब्ध हो सके।

प्रिय छात्रगण,

मुझे हर्ष है कि स्नातक पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आपने अर्थशास्त्र विषय को चुना है। यह कहना उपयुक्त होगा कि अर्थशास्त्र के सिद्धान्त व विश्लेषण के उपकरण अब अधिकाधिक रूप से अनेक सामाजिक-आर्थिक समस्याओं यथा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण आदि अध्ययन-क्षेत्रों में प्रयोग किये जा रहे हैं। इनमें से कुछ की झलक आपको बी० ए० पाठ्यक्रम में मिलेगी।

हम सबके लिये गौरव का विषय है कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय का अर्थशास्त्र विभाग देश के सबसे पुरातन अर्थशास्त्र विभागों में से एक है जिसके आप एक अंग हैं। इसकी स्थापना 1914 में प्रो. एच. एस. जेवन्स ने वर्ष 1916 में इण्डियन जर्नल ऑफ इकॉनॉमिक्स की स्थापना की जो भारत का उच्च शैक्षणिक स्तर पर प्रथम जर्नल था तथा अब भी विभाग से प्रकाशित हो रहा है। जेवन्स ने ही कतिपय अन्य भारतीय अर्थशास्त्रियों के साथ मिलकर इण्डियन इकॉनॉमिक एसोसिएशन की स्थापना वर्ष 1917-18 में की। इस विभाग के बीसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध के अन्य शीर्षस्थ अर्थशास्त्री थे प्रो० ए.आर. बर्नेट-हर्स्ट, प्रो. सी. डी. थॉमसन, प्रो० एस० के० रूद्रा, प्रो० बी० पी० अडारकर तथा प्रो० जे० के० मेहता। उत्तरार्द्ध के प्रमुख अर्थशास्त्रियों में सर्वश्री प्रो० पी० सी० जैन, महेश चन्द्र, आर० एन० भार्गव, आर० बी० बहादुर, आई० जेड भट्टी, पी० डी० हजेला, एल० एल० परमार आदि के नाम उल्लेखनीय हैं। अन्य प्रख्यात अर्थशास्त्री जो विभाग से सम्बद्ध रहे उनके नाम हैं प्रो० एल०एल० परमार, प्रो० गौतम माथुर, प्रो० डी० एस० कुशवाहा, प्रो० वी० के० आनन्द, प्रो० आर० एन० लोहकर, प्रो० पी० एन० मेहरोत्रा, प्रो० अलका अग्रवाल, प्रो० एस० एन० लाल इत्यादि।

विभाग में कार्यरत रहते हुए प्रो० एच० एस० जेवन्स, सी० डी० टॉम्सन, सुधीर कुमार रुद्रा और जे० के० मेहता इण्डियन एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। एसोसिएशन के अन्य अध्यक्षों में जो विभाग से भी संबंधित रहे, निम्नलिखित प्रमुख हैं - सर्वश्री एम० बी० माथुर, गौतम माथुर, पी० डी० अजेला, बारिद बी० भट्टाचार्य प्रमुख हैं। विभाग में विद्यार्थी और अध्यापक रहे डॉ० डी० के० श्रीवास्तव वित्त आयोग के सदस्य, मद्रास स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स के निदेशक तथा अर्न्स्ट एण्ड यंग के मुख्य आर्थिक सलाहकार रह चुके हैं।

विभाग में 34 शिक्षक पद हैं तथा आचार्य का एक पद योजना आयोग द्वारा भी सृजित किया गया है। विगत वर्षों में विभाग के अनेक सदस्य संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, युनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड्स, बोट्स्वाना, रूस, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, नाइजीरिया, साउथ अफ्रीका, जापान, सिंगापुर, मलेशिया आदि देशों की यात्रा फेलोशिप प्रोग्राम तथा अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठियों में भाग लेने हेतु कर चुके हैं।

विभाग में पठन-पाठन का स्तर देश के चर्चित विश्वविद्यालयों के समकक्ष है तथा विषय के पाठ्यक्रम इस प्रकार से संगठित किये गये हैं कि अर्थशास्त्र विषय की प्रमुख धाराओं का ज्ञान छात्रों को सुव्यवस्थित रूप से उपलब्ध हो सके।

भारतवर्ष में अर्थशास्त्र की प्रथम शोध-पत्रिका "The Indian Journal of Economics", का प्रकाशन हमारे विभाग द्वारा 1916 से निरंतर किया जा रहा है। इस प्रतिष्ठित शोध-पत्रिका में देश-विदेश के अर्थशास्त्रियों के शोध-प्रपत्र प्रकाशित होते हैं तथा इसका प्रसार भारत के अतिरिक्त अन्य देशों में भी है।

विभाग का देश के विभिन्न प्रसिद्ध शिक्षण व शोध संस्थानों से अंतरंग एवं नेटवर्किंग पूर्व-स्थापित है, जिसे और अधिक गहन बनाने की सतत् प्रक्रिया जारी है। इनमें से कतिपय विशिष्ट संस्थानों का परिचय निम्नवत है—

(अ) नीति आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली :

योजना आयोग द्वारा सन् 1996 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग को देश के 12 उन शिक्षण केन्द्रों में से एक के रूप में चुना गया जहां योजना आयोग, भारत सरकार ने *'आयोजन एवं विकास इकाई'* स्थापित की है और इस इकाई की स्थापना हेतु कुल 30 लाख रुपये का अनुदान अवमुक्त किया गया। अब यह इकाई नीति आयोग के अन्तर्गत संचालित है। *प्रोफेसर जीन ड्रेज़* आयोजन एवं विकास इकाई के प्रथम चेयर प्रोफेसर रहे हैं। वर्तमान में प्रोफेसर मनमोहन कृष्ण आयोजन एवं विकास इकाई के चेयर प्रोफेसर हैं।

आयोजन एवं विकास इकाई द्वारा फरवरी 2022 में प्रोफेसर डी. के. श्रीवास्तव द्वारा लिखित एक मोनोग्राफ "On the Economic Ideas of Professor J. K. Mehta : A Journey into the Interior of the Self" प्रकाशित किया गया।

(ब) गोविन्द बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, झूँसी, प्रयागराज

विभाग के शोध छात्र-छात्रायें व शिक्षक इस संस्थान द्वारा आयोजित शैक्षणिक तथा शोध कार्यक्रमों में परस्पर सहयोग करते हैं।

रोजगार–उन्मुख कोर्स :

विदेशी व्यापार में एक वर्षीय परास्नातक डिप्लोमा कार्यक्रम :

सत्र 2002-03 से अर्थशास्त्र विभाग ने विदेशी व्यापार के बढ़ते हुए महत्व तथा इनके प्रशिक्षण के पश्चात् रोजगार प्राप्त करने की क्षमता को ध्यान में रखते हुए एक वर्षीय स्ववित्त पोषित कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया था। इस पाठ्यक्रम को पूरा करने वाले अनेक सफल विद्यार्थियों को प्रशिक्षण के पश्चात् निर्यात गृहों, औद्योगिक इकाईयों में उपयुक्त रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं तथा कई विद्यार्थियों ने अपनी निर्यात इकाईयां स्थापित करने में भी सफलता प्राप्त की हैं।

इस एक वर्षीय परास्नातक विदेशी व्यापार डिप्लोमा कार्यक्रम को दो वर्षीय एम.बी.ए. (अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय) के डिग्री कार्यक्रम में परिवर्तन करने हेतु प्रक्रिया जारी है।

सत्र 2015-16 से एम0ए0 पाठ्यक्रम में सेमेस्टर प्रणाली प्रारम्भ की गयी है।

Paper I

MICRO-ECONOMICS

UNIT-I

Nature of Micro Economics and its difference with Macro Economics, Law of Demand and Supply, Market Demand, A brief introduction of Elasticity of Demand.Theory of Consumer's Behaviour. Consumer's Equilibrium, Indifference Curve Analysis. Price Effect, Income Effect and Substitution Effect (Hicks & Slutsky Methods). An Elementary Treatment of Revealed Preference Theory, Consumer's Surplus.

UNIT-II

Production Function: An Elementary Treatment, Laws of Variable Proportions, Returns to Scale, Substitution in Production, Producer's Equilibrium, Elasticity of Substitution. Cost Function, Different concepts of costs: Nominal, Real and Opportunity cost, Cost Curves.

UNIT-III

Nature of Market, Revenue Function, Revenue Curves, Price Determination under Perfect Competition, Monopoly, Discriminating Monopoly, Imperfect and Monopolistic Competition-Elementary Treatment.

UNIT-IV

Marginal Productivity Theory of Distribution, Rent: Ricardian & Opportunity Cost Theories, Quasi Rent. Wage: Labour Supply and Demand Theory of Wages, The Marginal Productivity Theory, Interest: The Classical and Loanable Funds Theory, Profit: Schumpeter, Knight and J.K. Mehta.

Paper II

INDIAN ECONOMY: NATURE AND PROBLEMS

UNIT-I

Nature and Symptoms of Under-development, Indices of Development such as HDI, etc. Main Features of Indian Economy, The Energy and Power Sector in India and its Challenges, India's Foreign Trade: Composition and Direction, Service sector in India and its Performance.

UNIT-II

The Agricultural Sector, Salient Feautres of Indian Agriculture. Changing Agrarian Structure. Mechanisation of Agriculture, Rural Credit Structure in India, Role of Commercial Banks, Regional Rural Banks, Cooperative Banks, Land Development Banks, Primary Agricultural credit Societies, NABARD in Rural Credit, Rural Un-empoloyment in India.

UNIT-III

Industrial Sector, Objectives of Industrial Development, Categorisation of Industries, Growth and Expansion of Public Sector Enterprises, Development and Expansion of Private Industry, Role and Importance of Cottage and Small Scale Industry. Problems of Industrial Labour in India.

UNIT-IV

Economy of Uttar Pradesh: Salient features. Demographic features of India's Population, Demographic features of Uttar Pradesh. Agriculture in Uttar Pradesh: Nature and Problems. Industrial Development in Uttar Pradesh: Nature and Problems, Challenges and Prospects of Exports from Uttar Pradesh.

Paper III
TECHNIQUES OF ECONOMIC ANALYSIS

UNIT-I

Approach to Economic Analysis: Micro-Economics and Macro-Economics, Illustrations of Micro and Macro Problems. Nature of Static and Dynamic analysis. Equilibrium Concepts and Types. Functional Relationships in Economics: Demand, Supply, Cost, Revenue, Savings, Income and Investment etc., Illustration from Micro and Macro Economics, Equations: Solution of Simultaneous Linear and Quadratic Equations, Analysis of Market Equilibrium Algebric and Graphical Solutions. Curves and straight Lines, Rate of change and slope –Economics illustrations, use of Linear and Non- linear functions in economics – market demand, cost and revenue curves etc. nature of parabolic curves. Cost and Revenue curves and related Economics Illustrations

UNIT-II

Rates of Growth: Simple, Compound, proportional, logarithmic and Exponential Elementary idea and interpretion of first and second order derivatives, Maxima and minima (elementary Treatment) Economic Applications of derivatives, marginal revenue Marginal Cost, Elasticity of Demand, Elasticity of Supply, Marginal Propensity to Consume (mpc), Marginal Propensity to save (mps), Capital–output Ratio, Profit maximization and Cost minimization.

Use of Mathematical Tools in Economics Analysis.

UNIT-III

Statistics: Nature, functions, importance; collection of data classification and tabulation; Diagrammatic and graphical representation of data: Bar, Pie, Histogram, Ogive etc.Measures of central tendency. Arithmetic Mean, Weighted Mean, Harmonic Mean Geometric Mean, Median, Mode etc., their relative Merits.

C.S.O. and N.S.S.O. Functions, Organisation Working etc.

Unit-IV

Measures of Dispersion-Range, Quartile/Percentile Deviation, Mean Deviation, Standard Deviation, Coeeficient of Variation, Lorenz Curve, Measures of skewness and Kurtosis.

Correlation: Linear Rank, Index Numbers: Nature, Construction, Limitation, Importance, Construction of Index Numbers: Simple, Weighted and Price Relative Methods.

बी0 ए0- प्रथम वर्ष

संशोधित व्याख्यान क्रम

(2015-16 से)

सभी प्रश्न-पत्रों के लिए निर्देश

* प्रथम प्रश्न अनिवार्य होगा तथा इकाई 1 से 4 पर आधारित होगा।
* इसके दो भाग होंगे।
* भाग **A** में एक-एक अंक के छह बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
* भाग **B** में तीन-तीन अंक के चार 75-100 शब्दों वाले लघु उत्तरीय प्रश्न/चित्र होंगे।
* प्रश्न संख्या 2 से 5 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का होगा।

  प्रश्न संख्या 2 इकाई 1 से, प्रश्न संख्या 3 इकाई 2 से, प्रश्न संख्या 4 इकाई 3 से तथा प्रश्न संख्या 5 इकाई 4 से होगा। प्रत्येक इकाई में आंतरिक चयन के रूप में दो प्रश्न होंगे, जिनमें से कोई एक प्रश्न करना होगा।

प्रथम प्रश्न पत्र
व्यष्टि अर्थशास्त्र

इकाई- 1

* व्यष्टि अर्थशास्त्र की प्रकृति तथा समष्टि अर्थशास्त्र से इसका भेद
* मांग तथा पूर्ति का नियम
* बाजार मांग
* मांग की लोच का एक संक्षिप्त परिचय
* उपभोक्ता व्यवहार का सिद्धान्त
* उपभोक्ता का संतुलन
* अनधिमान वक्र विश्लेषण : कीमत प्रभाव, आय प्रभाव तथा प्रतिस्थापन प्रभाव (हिक्स तथा स्लट्स्की विधियां)
* प्रकटित (व्यक्त) अधिमान सिद्धान्त का एक प्रारम्भिक अवलोकन
* उपभोक्ता का अतिरेक

इकाई- 2

* उत्पादन फलन : एक प्रारंभिक अवलोकन
* परिवर्तनीय अनुपातों का नियम
* पैमाने के प्रतिफल
* उत्पादन में प्रतिस्थापन
* उत्पादक का संतुलन
* प्रतिस्थापन की लोच
* लागत फलन
* लागत की विभिन्न संकल्पानाएं : मौद्रिक लागत, वास्तविक लागत तथा अवसर लागत
* लागत वक्र

इकाई-3

* बाजार का प्रकृति
* आय फलन
* आय वक्र
* पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत कीमत-निर्धारण
* एकाधिकार
* विभेदात्मक एकाधिकार
* अपूर्ण एवं एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता : एक प्रारम्भिक अवलोकन

इकाई-4

* वितरण का सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त
* लगान : रिकार्डो तथा अवसर लागत सिद्धान्त, आभास लगान
* आभास लगान
* मजदूरी : श्रम मांग एवं पूर्ति सिद्धान्त, सीमांत उत्पादकता सिद्धान्त
* ब्याज : प्रतिष्ठित एवं ऋण योग्य कोष सिद्धान्त
* लाभ : शुम्पीटर, नाइट तथा प्रो0 जे0 के0 मेहता

द्वितीय प्रश्न पत्र

भारतीय अर्थव्यवस्था : प्रकृति एवं समस्याएं

इकाई- 1

* अल्पविकास की प्रकृति एवं लक्षण
* विकास के सूचक जैसे, मानव विकास सूचकांक आदि
* भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रमुख विशेषतायें
* भारत में ऊर्जा एवं शक्ति क्षेत्र तथा इनकी चुनौतियां
* भारत का विदेशी व्यापार - स्वरूप एवं दिशाएं
* भारत में सेवा क्षेत्र तथा इसका प्रदर्शन**इकाई- 2**
* कृषि क्षेत्र
* भारतीय कृषि की प्रमुख विशेषतायें
* कृषि संरचना का बदलता स्वरूप
* कृषि का यंत्रीकरण
* भारत में ग्रामीण साख संरचना
* ग्रामीण साख में वाणिज्यिक बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, सहकारी बैंकों, भूमि विकास बैंकों, प्राथमिक कृषि साथ समितियों तथा नाबार्ड की भूमिका
* भारत में ग्रामीण बेरोजगारी

इकाई- 2

* कृषि क्षेत्र
* भारतीय कृषि की प्रमुख विशेषतायें
* कृषि संरचना का बदलता स्वरूप
* कृषि का यंत्रीकरण
* भारत में ग्रामीण साख संरचना
* ग्रामीण साख में वाणिज्यिक बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, सहकारी बैंकों, भूमि विकास बैंकों, प्राथमिक कृषि साथ समितियों तथा नाबार्ड की भूमिका
* भारत में ग्रामीण बेरोजगारी

इकाई- 3

* औद्योगिक क्षेत्र
* औद्योगिक विकास के उद्देश्य
* उद्योगों का वर्गीकरण
* सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की संवृद्धि एवं विस्तार
* निजी उद्योगों का विकास एवं विस्तार
* कुटीर एवं लघु उद्योगों की भूमिका एवं महत्व
* भारत में औद्योगिक श्रम की समस्यायें

इकाई- 4

* उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था - प्रमुख विशेषताएं
* भारत की जनसंख्या की जनांकिकीय विशेषताएं
* उत्तर प्रदेश की जनसंख्या की जनांकिकीय विशेषताएं
* उत्तर प्रदेश में कृषि - प्रकृति एवं समस्याएं
* उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास - प्रकृति एवं समस्याएं
* उत्तर प्रदेश से निर्यातों की चुनौतियां एवं संभावनाएं

तृतीय प्रश्न पत्र

आर्थिक विश्लेषण की तकनीकें

इकाई-1

* आर्थिक विश्लेषण के उपागम - व्यष्टि अर्थशास्त्र एवं समष्टि अर्थशास्त्र, व्यष्टि व समष्टि समस्याओं का आरेखन
* स्थैतिक एवं प्रावैगिक विश्लेषण की प्रकृति
* संतुलन - संकल्पनायें एवं प्रकार
* अर्थशास्त्र में फलनात्मक संबंध - मांग, पूर्ति, लागत, आगम, बचत, आय तथा निवेश आदि
* व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र से चित्रण - रेखीय युगपत् एवं द्विघातीय समीकरणों का समाधान
* बाजार संतुलन का विश्लेषण - अंकगणितीय एवं आरेखीय समाधान
* वक्र एवं सरल रेखाएं, परिवर्तन दी दर एवं ढाल - अर्थशास्त्र से चित्रण
* अर्थशास्त्र में रेखीय तथा अरेखीय फलनों का उपयोग - बाजार मांग, लागत तथा राजस्व वक्र आदि
* परवलीय वक्रों की प्रकृति
* लागत एवं आय वक्र और संबंधित अर्थशास्त्रीय आरेखन

इकाई-2

* संवृद्धि की दरें - सामान्य, चक्रवृद्धि, आनुपातिक, लघुगणकीय एवं चरघातीय
* प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के व्युत्पन्नों का प्रारम्भिक अवलोकन
* अधिकतम एवं न्यूनतम - प्रारम्भिक अवलोकन
* व्युत्पन्नों का आर्थिक उपयोग - सीमान्त आय, सीमान्त लागत, मांग की लोच, पूर्ति की लोच, उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति, पूँजी-उत्पादन अनुपात, लाभ अधिकतमीकरण एवं लागत न्यूनीकरण
* आर्थिक विश्लेषण में गणितीय उपकरणों का उपयोग

इकाई-3

* सांख्यिकी - प्रकृति, कार्य, महत्त्व
* आंकड़ों का संग्रह, वर्गीकरण एवं सारणीकरण
* आंकड़ों का चित्रीय एवं आरेखीय निरूपण - दण्ड चित्र, वृत्त चित्र, आयत चित्र, तोरण चित्र आदि
* केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप - अंकगणितीय माध्य, भारित माध्य, हरात्मक माध्य, ज्यामितीय माध्य, माध्यिका, बहुलक आदि; इसके तुलनात्मक गुण
* केन्द्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (C.S.O.) एवं राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (N.S.S.O.) : कार्य, स्वरूप, क्रियाकलाप आदि

इकाई-4

* विचलन के माप - परास, चतुर्थांश विचलन, शतांश विचलन, माध्य विचलन, मानक विचलन, विचलन गुणांक, लॉरेन्ज वक्र, विषमता एवं कुकुदता की माप
* सहसंबंध : रेखीय, रैंक
* सूचकांक : प्रकृति, निर्माण, सीमायें, महत्त्व
* सूचकांकों का निर्माण : सामान्य, भारित एवं कीमत सापेक्ष विधियाँ

DEDICATION

* * *

It is heartening to inform that the Department of Economics, in its Centenary Year named Departmental Library, Conference Hall and Computer Laboratory in memory of former teachers, in recognition of their contributions in the respective fields. **Prof. P.C. Jain Library** was inaugurated by *Mr. H. R. Khan, Deputy Governor, Reserve Bank of India, Mumbai*; **Prof. S. K. Rudra Conference Hall** by *Prof. P. K. Bhargava, Formerly Emeritus Professor, Department of Economics, Banaras Hindu University, Varanasi;* and **Prof. Mahesh Chand Computer Laboratory** by *Prof. Shri Prakash, Dean, Research, BIMTECH, Greater Noida and formerly Senior Fellow, NUEPA, New Delhi* on December 13, 2014.